

२०/०६  
२५ - वकील वादी उपस्थित नहीं। वादी रजप भी  
उपस्थित नहीं। इनकी अनुपस्थिति बावजूद कोई कारण  
भी पेश नहीं हुआ। बार-बार आवाज लगावाई गई  
अह! यह बाद-पत्र अदम पेशी अदम इतरी में खास  
किया जाता है।

पत्रावली प्रिय में शुमार की जाकर  
नम्बर से नाम हो तथा वरीष लकमील होकर वारीष  
दफ्तर हो।